हरी की कथा सुनाने वाले तुमको लाखों प्रणाम

हरी की कथा सुनाने वाले, गोविन्द कथा सुनाने वाले,
तुमको लाखों प्रणाम, तुमको लाखों प्रणाम ।

हम भूल रहे थे वन में, बल खो बैठे थे तन में ।
प्रभु राह बताने वाले, यह राज बताने वाले,
तुमको लाखों प्रणाम ॥

लेकर विशयों का प्याला, जा रहे थे यम के गाला ।
अमृत पान कराने वाले, प्रभु सुधा पिलाने वाले,
तुमको लाखों प्रणाम ॥

तुम घट घट अन्तर्यामी, हम पतित और अभिमानी ।
प्रभु दरश कराने वाले, हरी का दरश कराने वाले
तुमको लाखों प्रणाम ॥

हम पार तेरा क्या पावें, बस सीस झुका यही गावें ।
आत्म ज्ञान कराने वाले, मुक्ति दिलाने वाले,
तुमको लाखों प्रणाम ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/970/title/hari-ki-katha-sunane-wale-tumko-laakho-pranaam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |